मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षा संकाय ने विकलांग छात्रों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया

नई दिल्ली, 9 मई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षक प्रशिक्षण और अनौपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई) ने भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई), नई दिल्ली और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अनुमोदन और संयुक्त समर्थन से 06 मई, 2025 को विकलांग छात्रों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार (सीआरई कार्यक्रम) का आयोजन किया।

वेबिनार का प्राथमिक उद्देश्य विकलांग छात्रों की सहायता के लिए उपलब्ध मौजूदा और उभरती सहायक प्रौद्योगिकियों के बारे में विशेष शिक्षकों, पुनर्वास चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अभिभावकों को संवेदनशील तथा सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में देश भर से लगभग 200 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिनमें विकलांगता पुनर्वास और समावेशी शिक्षा के क्षेत्र के पेशेवर एवं हितधारक शामिल थे।

वेबिनार का उद्घाटन जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षा संकाय की डीन प्रोफेसर सारा बेगम और आईएएसई, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की अध्यक्ष प्रोफेसर जेसी अब्राहम की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ, जिन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित किया और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने में सहायक प्रौद्योगिकी की भूमिका पर बल दिया।

कार्यक्रम को चार विषयगत सत्रों में तैयार किया गया था जो श्रवण बाधित और दृश्य बाधित छात्रों के लिए दैनिक जीवन की सहायता और शैक्षिक सहायक उपकरणों पर केंद्रित थे। पहले दो सत्र हैदराबाद और नोएडा के प्रतिष्ठित बाह्य संसाधन व्यक्तियों द्वारा संचालित किए गए जिन्होंने समकालीन सहायक समाधानों के बारे में वृहद जानकारी प्रदान की। बाकी दो सत्रों को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विशेष शिक्षा विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया गया जिसमें शैक्षिक सेटिंग्स में प्रभावी कार्यान्वयन के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ और प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए।

विशेष शिक्षा के सहायक प्रोफेसर डॉ. एराम नासिर और श्री मोहम्मद जुबेर ने कार्यक्रम के संयोजक के रूप में कार्य किया जिससे इसका सुचारू निष्पादन और उच्च शैक्षणिक कठोरता सुनिश्चित हुई। डॉ. पी. रामकृष्ण एवं डॉ. आर. जमुना ने आयोजन सचिव के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जवाबदेही सुनिश्चित करने एवं सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) बिंदुओं की मान्यता के लिए आरसीआई के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत एसएलआईडीओ प्लेटफॉर्म का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया।

वेबिनार का समापन डॉ. इरम नासिर द्वारा दिए गए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन से हुआ जिसमें उन्होंने मेहमानों, संसाधन व्यक्तियों, प्रतिभागियों और आयोजन टीम को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम ने समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने एवं विकलांगता और पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों की क्षमता बढ़ाने के प्रति जामिया मिल्लिया इस्लामिया और आरसीआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रो साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया